1

दृष्टि The Vision

(515)

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: Prem Singh	Subject/Code:
UPSC Roll No: 1132556	Date: 25/10/2024
Drishti Id:	E-mail Id:
Centre: MN - 515	Medium:

Test Code: Essay-08

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐	Offline ☐		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback

Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचयः** विषय और संलग्रता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तुः** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठनः** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकताः** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्तिः** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्षः** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकताः** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुलः Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षाः**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए **क्रमबद्ध** करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: 4. क्या मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है या ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक ?

"राजा बोला रात है,
रानी बोली रात है,
मंत्री बोला रात है,
संतरी बोला रात है
सुबह - सुबह की बात है..."

सभ्यता की स्थापना से लेकर आधुनिक कल्याणकारी लोकतंत्र तक की विकास यात्रा में जनता और शासक का नजरियाँ जिस माध्यम के द्वारा व्यक्त हुआ है वह है; "मीडिया"। जनता अक्सर वही सत्य मानती है जो उसे शासक वर्ग द्वारा दिखाया जाता है। क्योंकि आम जनता की न तो सत्ता तक नहीं पहुँच होती है और

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

~~मैं बहुत गहरी~~ न उनके पास इतने संसाधन। तब जनता तक सही वस्तुस्थिति व जानकारी पहुँचाने का दारोमदार जिस संस्थान पर आता है, ~~वह~~ है मीडिया है।

प्राचीन काल में चाहे चारण-भाट हो या फिर पश्चिमी पुनर्जागरण काल में रूसो, वाल्टेयर, मांटेस्क्यू के लिखे लेख व भाषण अथवा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राष्ट्रवादी पत्र-पत्रिकाओं द्वारा किया गया जनजागरण या फिर स्वतंत्रता पश्चात सरकारों की कमियों को उजागर करने का काम हो मीडिया ने हमेशा जनता के हित में निरन्तर काम किया है। जिससे लोकतंत्र के जीवन मूल्य लगातार सशक्त हुए है।

सर्वप्रथम हमें यह जानना जरूरी है कि मीडिया होता क्या है? और इसके कौन-कौन से प्रकार है? तथा लोकतंत्र के लिए क्यों मीडिया आवश्यक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

है? ~~और~~ मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कैसे होता है? इन्ही प्रश्नों पर आगे मंथन करने का विचार किया गया है साथ ही यह भी विचारणीय है कि क्या मीडिया हमेशा लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ ही रहता है या फिर सामुदायिक ध्रुवीकरण का ~~कार्य~~ उत्प्रेरक भी ~~ब~~ बन जाता है।

यदि बात करें मीडिया की तो इसमें जनसंचार के वे सभी माध्यम आते है जो जनता तक सूचनाओं, खबरों तथा नवीन जानकारी व ज्ञान को पहुंचाने का कार्य करते है। मीडियों के प्रमुख प्रकारों व माध्यमों में प्रमुखत: इलेक्ट्रानिक मीडिया जिसमें टेलीविजन, रेडियो, वेबकास्ट, न्यूज चैनल आते तथा प्रिंट मीडिया में समाचार पत्र-पत्रिकाए, किताबे, प्रेस रिलीज, पम्फलेट व पर्चे शामिल है। ये तो हुए मीडिया के परम्परागत स्वरूप वही आजकल जो नवीन मीडिया उभरा है उसमें सोशल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मीडिया, यूट्यूब, फेसबुक, वाट्सअप, टेलीग्राम, एक्स, थ्रेडा व लिंकडिन जैसी साइट्स व OTT प्रमुख है।

अब बात आती है कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कैसे होता है तो सर्वप्रथम हम देखते हैं कि मीडिया सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है तथा उनके बारे में जनमत की राय को लोगों के सामने रखकर सरकार पर दबाव बनाता है जिससे सरकार दबाव में आकर अपनी नीति निर्धारण में सावधानी बरतते हुए कार्य करती है इसका प्रमुख उदाहरण हम बंगलादेश में सरकार की आरक्षण नीतियों के परिवर्तन में देख सकते है।

मीडिया ही होता है जो लोकतंत्र में विपक्ष की बातों को न केवल प्रमुखता से रखता है बल्कि स्वयं अपने स्तर पर भी विपक्ष का कार्य करता है। विपक्षी दल

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

चर्चा, परिचर्चा, लेखों व साक्षात्कारों के माध्यम से सत्ताधारी दल की नीतियों की आलोचना करते है जिससे लोकतंत्र में चेक एण्ड बैलेंस बना रहता है। इसका माध्यम चौथा स्तम्भ मीडिया ही होता है।

लोकतंत्र में मीडिया न केवल सरकारों पर प्रश्न उठाता है बल्कि जनता को जागरूक करता है अपने मूल अधिकारों की सुरक्षा व सरकारी कार्यवाहियों को लेकर। चाहे मणिपुर में आदिवासियों के मूल अधिकारों का अफस्पा द्वारा दमन की घटना हो या फिर कोलकाता के R.G. अस्पताल में महिला डाक्टर के निर्मम बलात्कार व हत्या का मामला हो। मीडिया ने स्वतंत्रता पूर्वक लोक हित को उजागर लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की भूमिका अदा की है।

एक लोकतंत्र में ~~मीडिया~~ शासन - प्रशासन व राजनीति में व्याप्त भ्रष्टाचार,

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अनियमितताओं की व्यापकता, आपराधिक तत्वों की उपस्थिति, पारदर्शिता का अभाव, रिश्वत तथा कानून की न्यूनता व गुण्डागर्दी की सांठ-गांठ को मीडिया ही उजागर करता है। विशेषत: सोशल मीडिया जिसने मध्य प्रदेश में एक गरीब आदिवासी पर अत्याचारों को उजागर करके सामान्य जनता तक पहुंचाया। उसी तरह दिल्ली के कोचिंग सेन्टर में जल भराव की घटना को मीडिया ने न केवल कवरेज किया बल्कि दिल्ली महानगर पालिका व प्रशासन की खामियों को भी उजागर करके लोकतंत्र को मजबूत किया है।

यदि बात करें आर्थिक क्षेत्र में तो मीडिया ने बड़े-बड़े घोटालों, आर्थिक अनियमितताओं व उद्योगपती, राजनेता व नौकरशाहों के गठजोड़ों का भंडाफोड़ कर शासन में ईमानदारी व सत्यनिष्ठा की स्थापना करता है चाहे

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright - Drishti The Vision Foundation

वह कोल ब्लाक आवंटन हो या पनामा पेपर्स घोटाला अथवा हाल के सेबी पर लगाये गये हिंडनबर्ग के आरोप सभी मुद्दों पर मीडिया ने लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में कार्य किया है।

मीडिया एक लोकतंत्र में वैज्ञानिक विचारधारा, मानववाद व धार्मिक आडम्बरों का विरोध करके जनता के आधुनिकीकरण का कार्य करता है जिस प्रकार कबीरदास ने धार्मिक आडम्बरों का विरोध भक्ति काल में किया था -

"कांकर पाथर जोरि के, मस्जिद लई बनाय
ता चढ़ि मुल्ला बांग देय, क्या बहरा हुआ खुदाय"

वर्तमान लोकतांत्रिक मीडिया भी महिला विरोधी मान्यताओं का खण्डन करता है तथा समावेशी समाज की स्थापना करता जिनमें चाहे तीन तलाक का विरोध हो या फिर सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का प्रश्न अथवा सार्वभौमिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नागरिक संहिता का प्रश्न' इन सभी मुद्दों पर मीडिया ने अपनी स्वतंत्र राय द्वारा जन जागरण करके लोकतंत्र को मजबूत किया है।

मीडिया का ही एक माध्यम फिल्में है जिन्होंने पैडमैन, टायलेट एक प्रेमकथा तथा चकदे इंडिया जैसी फिल्मों से सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता व अखण्डता को भी मजबूत किया है जो मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ बनाता है।

अब प्रश्न आता है कि क्या मीडिया ध्रुवीकरण का उत्प्रेरक भी हो सकता है तो सबसे पहले हम ध्रुवीकरण को समझते हैं कि ध्रुवीकरण से आशय है समाज व समुदाय का बंटवारा व विभाजन जिसके फलस्वरूप आपसी सद्भाव व प्रेम की भावना समाप्त होती हो। वहीं उत्प्रेरक का मतलब है ध्रुवीकरण व अलगाववाद

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

की प्रक्रिया के वेग को कम या अधिक करना अर्थात सामाजिक विखण्डन को बढ़ावा देना। जिससे मीडिया ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को संपादित कर पाता है।

मीडिया सनसनीखेज खबरों, TRP की दौड़, फेक न्यूज तथा प्रायोजित समाचार, एक तरफा रिपोर्टिंग, सरकार के पक्ष में प्रचार-प्रसार करके समाज में में साम्प्रदायिकता, जातिवाद, नस्लवाद, भाषावाद, लैंगिक विभेद, घृणा, अति संवेदनहीनता जैसी विखण्डनकारी गतिविधियों के उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करता है और इसके ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति को दिखाते हैं।

अगर बात करें साम्प्रदायिकता व धार्मिक विखण्डन की तो कोविड-19 में मीडिया की फेक खबरें हो या फिर यूरोपीय समाज में मुस्लिमों को आतंकवादी बताने की या फिर भारत में दिल्ली दंगों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के भड़काने की तो मीडिया ने ध्रुवीकरण को बढ़ाया ही है।

वही अगर बात करे अल्पसंख्यकों की तो मीडिया की नकारात्मक भूमिका पर प्रश्न उठते आये है चाहे पाकिस्तान में हिन्दू अल्पसंख्यक हो या अहमदिया मुस्लिमों पर होने वाले अत्याचार या फिर फिलीस्तीन इजरायल संघर्ष अथवा वर्तमान युक्रेन-रूस युद्ध मीडियों ने अल्पसंख्यको के प्रति विभेदक रुख अपनाया है जो इसकी ध्रुवीकृत भूमिका को दिखाता है।

केवल इलेक्ट्रानिक मीडिया ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया द्वारा फैलने वाली भ्रामक व झूठी खबरे ज्यादा खतरनाक साबित होती है जो एक तरफ लोगो की अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगाती है वही दूसरी तरफ लोगों के सद्भाव व आपसी प्रेम को समाप्त करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आजकल मीडिया के ध्रुवीकरण का एक नया रूप भी देखने को मिलता है जिसे मीडिया ट्रायल कहते है जिसमें मीडिया आरोपी व्यक्ति को आरोप सिद्ध होने से पूर्व ही दोषी मान लेती है ऐसा हमने रिया चक्रवर्ती व बालीवुड ड्रग केस में देखा। वही इसकी ओर मीडिया लोगो की निजता का भी ध्यान न रखकर ~~उनके~~ लोगों के मूल-अधिकारों का घोर उल्लंघन करने लगती है जैसाकि सुशान्त सिंह राजपूत केस हो या फिर हाथरस में गैंग रेप की शिकार लड़की के परिवार की निजता में देखा गया। ये सब मीडिया के ध्रुवीकृत स्वरूप को ही दिखाते है।

मीडिया का ध्रुवीकरण का एक रूप एक तरफा रिपोर्टिंग में भी देखा जा सकता है ~~विशेषतः~~ राज्य द्वारा ~~प्रायोजित~~ संपादित मीडिया जिसमे - चीन, उत्तर कोरिया व रूस का मीडिया प्रमुख हैं वही इसकी

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तरफ आजकल मीडिया का कारपोरेटाइजेशन ने भी मीडिया की स्वतंत्रता व नैतिकता पर सवाल खड़े किये हैं। क्योंकि ज्यादातर चैनल के मालिकाना अधिकार कुछेक लोगों के हाथ में है जिससे मीडिया उनके एजेंडे का प्रचार-प्रसार में लगी रहती है। जिससे भी मीडिया का ध्रुवीकरण बढ़ता है।

निष्कर्षत: हम कह सकते है कि मीडिया आज दो धारी तलवार की तरह है जिसका उपयोग लोकतंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ समुदाय के ध्रुवीकरण में भी किया जा सकता है। अत: एक सशक्त, जन कल्याणकारी व नागरिक के मूल अधिकारों की रक्षा करने वाले लोकतंत्र की स्थापना हेतु मीडिया की भूमिका लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में बढ़ाने की आवश्यकता है। तभी जाकर हम एक समावेशी, न्यायपूर्ण, समानता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

आधारित तथा खुशहाल समाज व लोकतंत्र की स्थापना कर सकेंगें। इसके लिए मीडिया की अभिव्यक्ति व सहिष्णुता अत्यावश्यक है। - वाल्टेयर का कथन दृष्टव्य है:- हो सकता है कि मैं तुम्हारे विचारों से सहमत नहीं हो पाऊ परन्तु तुम्हारे विचार प्रकट करने के अधिकारों की रक्षा मैं मरते दम तक करूंगा।" अतः

इसी तरह मीडिया को समुदाय में विभाजन की जगह एक जोड़ने के पुल के रूप में कार्य करने की आवश्यकता जिससे गांधीजी के रामराज्य व सर्वोदय की भावना व वसुधैव कुटुम्बकम का हमारा सपना साकार हो सके तथा उद्देशिका के न्याय, समानता, बंधुत्व एकता व अखण्डता के आदर्श प्राप्त किये जा सके।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः,
सर्वे सन्तु निरामया।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh

Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic: 8. "मनुष्य तब तक नए महासागरों की खोज नहीं कर सकता जब तक उसमें तट को भूलने का साहस न हो।"

हिमालय की तराई में एक राजा के पुत्र का जन्म हुआ। राजा ने अपने पुत्र का लालन-पालन राजसी ठाठ-बाठ व सुख-सुविधाओं के दायरे में किया ताकि राजकुमार को किसी प्रकार ~~का~~ के दुख की अनुभूति ना हो। परन्तु राजकुमार ने एक बूढे व्यक्ति, एक मृत व एक सन्यासी तथा बीमार व्यक्ति को देखा। जिससे राजकुमार गहन चिंतन में पड़ गया तथा 30 वर्ष की अवस्था में उस राजकुमार ने घर का त्याग कर दिया और ~~सन्यासी~~ संन्यासी बनकर ज्ञान की खोज करने लगा ताकि मनुष्य जीवन ~~के~~ से ~~दुखमय~~ दुख को

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मिटाया जा सके। यही सन्यासी आगे जाकर तथागत बुद्ध के रूप में प्रसिद्ध हुए। बुद्ध द्वारा ज्ञान की खोज हेतु अपने राजसी ठाठ बांट व सुख सुविधाओं को त्यागने का साहस ही था जिसने उन्हें बुद्धत्व की खोज की। चाहे महात्मा बुद्ध हो या फिर आदि शंकराचार्य अथवा महान यात्री कोलम्बस सभी ने नये ज्ञान रूपी महासागर की खोज की तभी की है जब उनमें तट रूपी सुख-सुविधाओं व सुरक्षाओं को भूलने का साहस का गुण स्थापित हो सका हो।

आदि अनादि काल से सभ्यताओं ने नित नये रूप बदलें हैं, संस्कृति ने नित नई करवटे ली है परन्तु नहीं बदला है तो मनुष्य की ज्ञान के प्रति खोज का साहस व आविष्कार की क्षमता। चाहे महावीर स्वामी हो, कबीर

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हो या फिर मीराबाई, नानक अथवा हजरत मुहम्मद अथवा डा. A.P.J. अब्दुल कलाम, होमी जहाँगीर भाभा, विक्रम साराभाई, अथवा ~~अथवा~~ या फिर एलन म्यूस्क, स्टीव जॉब्स सभी में एक बात सामान्य है और वह है ज्ञान की खोज हेतु अपनी सुरक्षाओं व सुविधाओं को त्यागने का साहस की भावना।

अब प्रश्न आता है कि मनुष्य नये महासागर की खोज क्यों करता है? तथा ~~अप~~. नये महासागर रूपी ज्ञान की खोज का महत्व क्या है? क्या नये महासागर की खोज केवल वही कर पाता है जिसमें तट को भूलने का साहस हो? अथवा ~~क्या~~ बिना तट को भूले भी ज्ञान ~~को~~ प्राप्त किया जा सकता है? और अगर हाँ तो कैसे व नहीं तो क्यों नहीं?

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यदि बात को नये महासागर की खोज का तो इसका अर्थ नई जानकारी, ज्ञान व आविष्कार को प्राप्त करना ताकि व्यक्तिगत व सामाजिक विकास किया जा सके। सुकरात ने 'ज्ञान को ही सद्गुण बताया है" वहीं आदि शंकराचार्य ने ज्ञान को ब्रह्म के समान बताया है तथा भारतीय परम्परा में ज्ञान को विनम्रता का माध्यम अर्थात 'विद्या ददाति विनयम्' कहकर सम्बोधित किया है। यह ज्ञान वैज्ञानिक आविष्कार, कला, संगीत, दर्शन, भौगोलिक खोज, अध्यात्म इत्यादि रूप में हो सकता है।

ध्यातव्य है कि इस ज्ञान रूपी महासागर का महत्व क्या है और कौनसी बातें है जो मानव को प्रेरित करती है। यदि वैज्ञानिक क्षेत्र में देखे तो पहिए के आविष्कार से लेकर बैलगाड़ी व वर्तमान जेटयान, अंतरिक्ष यान की खोज के पा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

फिर चिकित्सा में कोविड-19 टीकाकरण से अथवा आधुनिक स्टेम सेल व जीन थेरेपी से या अत्याधुनिक परमाणु अधिकार युक्त मिसाइलों का आविष्कार अगर इंसान का पाया तो उसके ज्ञान की खोज में तट को भूलने का साहस ही था।

वहीं यदि आधुनिक राजनीतिक संदर्भ में देखा जाये तो मानव सभ्यता के कबीलाई प्रणाली से लेकर राजतंत्र व वर्तमान लोकतंत्र तक की यात्रा में मानव विकास का क्रम है तो उसके उस सुविधा पूर्ण तट को भूलने का साहस ही है जो आज हमें वैश्वीकृत कास्मोपोलिटन समाज के महासागर तक ले आया है

अंतरिक्ष विज्ञान में देखे तो जहाँ पहले चन्द्रमा को मामा कहा जाता था वहीं आज ISRO ने चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3

drishti 641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की सफल लैंडिंग करके न केवल इतिहास रचा बल्कि भारत के वैज्ञानिक शक्ति के परचम को लहराया है। यह चांद की विजय डा. विक्रम साराभाई व डा. सतीश धवन के ~~विज्ञान~~ अंतरिक्ष विज्ञान के नये महासागर की खोज में तट को भूलने के साहस का ही परिणाम थी।

इसी तरह यदि बात करें साहित्य के क्षेत्र में तो चाहे कबीर, तुलसी, मीरा, रैदास, तिरुवल्लुवर, ~~निराला~~, ~~आदि~~ का भक्तिकालीन साहित्य हो जिसमें उन्होंने धार्मिक आडम्बरों व बुराईयों के विरोध का साहस किया अथवा आधुनिक नागार्जुन, निराला, मुक्तिबोध, वाल्टेयर, मोंटेस्क्यू, रूसो की रचनाएं हो जिन्होंने आम जन को उद्बोधित किया अगर ये कवि, साहित्यकार लोक जीवन ~~के~~ का उत्कर्ष कर पाये तो इसका कारण

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

या ज्ञान की खोज हेतु सुविधाओं को भूलने का साहस।

यदि इतिहास के परिप्रेक्ष्य में देखें तो चाहे औद्योगिक क्रांति हो या जेम्स वाट द्वारा भाप का इंजन बनाना अथवा रूस व अमेरिका की क्रांति हो या फिर भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम की गाथा। अगर स्वतंत्रता प्राप्त कर सके तो महात्मा गांधी, अम्बेडकर, नेहरू, सरदार पटेल, भगत सिंह, सुभाषचन्द्र बोस, झांसी की रानी जैसे देश भक्तों ~~क~~ द्वारा अपने सुखों के तट को भूलकर स्वतंत्रता प्राप्ति का साहस करने की समझ ही थी।

आज विश्नोई ~~समाज~~ समुदाय को अगर हम पर्यावरण संरक्षण व पशु पक्षियों की रक्षा का प्रतीक मानते हैं तो इसमें जम्भोजी की शिक्षाओं "सिर साटे रूख बचें तो भी सस्तो जाणि।" की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इस कारण पर्यावरण के प्रति समर्पण का भाव व नये खोज का साहस ही था।

व्यक्तिगत स्तर पर देखा जाये तो सिमोन द बोउवा द्वारा जारी नारीवादी अधिकारों की मांग हो या फिर कृष्णा सोबती का नारीयों के लिए कथा संसार ~~अथवा~~ जिन्होंने पुरुष सत्ता को चुनौती देना शुरू की 'औरत बनाई जाती वह पैदा नहीं होती'

यह क्रांतिकारी विचार सिमोन द बोउवा की ज्ञान रूपी महासागर की खोज ही था जिसमें उन्होंने तट को छूने का साहस किया और आज नारीवादी आंदोलन की प्रेरणा स्रोत बन गई।

नेलसन मंडेला, अब्राहम लिंकन हो या फिर मार्टिन लूथर किंग ~~उनके~~ यदि आज मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से लेकर समता, न्याय, मूल अधिकार की प्राप्ति अगर हो सकी है तो इनके द्वारा रंगभेद, दासप्रथा व नस्लभेद की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भेदभाव मूलक प्रथाओं का विरोध ही था।
उसी तरह भारत में महिला असमानता,
जाति प्रथा, सती प्रथा, बालिका हत्या व
विधवा विवाह निषेध इत्यादि को अगर
समाप्त किया जा सका तो राजा राममोहन,
ईश्वर चन्द विद्यासागर, फुले व सावित्री बाई
फुले का ~~तट~~ नये सिद्धान्तों व विचारों
की ~~खोज~~ में अपने तट को छोड़ने का
साहस ही था।

यहीं अब प्रश्न उठता है कि
अगर व्यक्ति अपने तट को छोड़ने का
साहस न करें तो क्या होगा क्या
उस अवस्था में भी हम नये महासागरों
की खोज कर पायेंगे। अगर हम
परिदृश्य को देखें तो जो समाज व
समुदाय अपनी सुख-सुविधाओं से
चिपके रहते है वे विकास की दौड़ में
पिछड़ जाते है। जैसे हम औपनिवेशिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

शिक्षा का अमृता देवी द्वारा आत्मबलि-
दान करके अपने पारिवारिक सुख को भूलकर
पेड़ों की सुरक्षा हेतु अपना जीवन का
बलिदान कर दिया। जिसने आज पर्यावरण
संरक्षण व जलवायु परिवर्तन आंदोलन के
रूप में UNFCCC व अभी भारत के
पर्यावरण के लिए जीवन (Life) के रूपी
सतत विकास लक्ष्यों को पैदा किया। इसका
मूल कारण

दौर में अफ्रीकी व एशियाई देशों के
पिछड़ेपन में देख सकते है।

जिन समाजों में साहस का अभाव
होता है व कुपमंडूक बनकर रह जाते है।
तथा इनका वैज्ञानिक व तार्किक विकास
अवरुद्ध हो जाता है उदाहरण के लिए
हम आदिम जनजातियों तथा रूढ़िवादी
पुरुष समुदायों को देख सकते है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

ज्ञान की खोज में अपनी सुविधा नहीं छोड़ने वाला व्यक्ति रूढ़िवादी, प्रतिक्रियावादी व नये ज्ञान से महरूम रह जाता है।

अतः निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि जिस तरह तट को छोड़ने के साहस ने सिद्धार्थ को भगवान बुद्ध के रूप में स्थापित किया उसी तरह नये ज्ञान, आविष्कार व यात्रा हेतु हमें निरन्तर तैयार रहना चाहिए। ताकि नई-नई खोजें व विकास की गति बने रहें। आज की समस्याओं ग्लोबल वार्मिंग, समुद्री जल स्तर का बढ़ना, तकनीक का दुरुपयोग रोकना, शांति व सद्भाव को बढ़ाने व समग्र शांति व सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हमें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

निरन्तर साहसपूर्वक आगे बढ़ते रहना आवश्यक है। ताकि सर्वोत्तम मानव हित को प्राप्त किया जा सके। अन्त के निम्न ,, पंक्तियां उल्लेख्य हैं: -

सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहाँ।
जिंदगानी गर रही तो ये जवानी फिर कहाँ।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मनुष्य तब तक नये महासागरों की खोज नहीं कर सकता
जब तक उसमें तट को छोड़ने का साहस न हो।

"जब मैं चला हूँ मेरी मंजिल पर नज़र है
आँखों ने मील का पत्थर नहीं देखा, ये फूल मुझे कोई
विरासत में नहीं मिले, तुमने काँटों भरा मेरा बिस्तर नहीं देखा,"

निराशावादी चुनौतियों की शिकायत करते हैं, आशावादी इनमें उम्मीद खोजते
यथार्थवादी इनके साथ समन्वय करते हुए आगे बढ़ते हैं।

महासागर की खोज क्या है?

ज्ञान – साहित्य – कबीर, तुलसी, मिल्टन, शेक्सपियर, शंकराचार्य
आविष्कार → कलाम, सतीश धवन, मंगल – टीका, अंतरिक्ष
विज्ञान – जैव प्रौद्योगिकी, स्टेम सेल, GMO
कला (संस्कृति) → कबीर – AR रहमान – [illegible]
(वैश्वीकरण / MNC, ई-मार्केट, वसुधैव कुटुम्बकम्

बुद्ध – राज्य छोड़ा
ज्ञान
गांधीजी
अहिंसा
महावीर

क्यों जरूरी है खोज
छोड़ने का साहस क्या है
क्यों जरूरी है –

"मैं ज्ञानी इस अर्थ में हूँ कि मैं जानता हूँ कि मैं कुछ नहीं जानता।"

क्या बिना छोड़े नयी खोज की जा सकती है? ना / हाँ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अभिव्यक्ति की आजादी - आर्टि - 19(1) (a) | तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है मगर ये आंकड़े झूठे हैं ये दावा किताबी है

दृष्टि The Vision

सच्चा बोलना राष्ट्र है, सच्ची बोली राष्ट्र है, ... की बात है

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये (Candidate must not write on this margin)

क्या मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है या धूमिल(?) का उत्प्रेरक

मीडिया का लोकतंत्र के स्तम्भ

क्या है? — प्रभावी लोकतंत्र — प्रिंट, सोशल — FB, इलेक्ट्रॉनिक — TV, डिजिटल

के लिए जरूरी क्यों? — जनता की आवाज, फ्रांस की क्रांति, स्वतंत्रता संग्राम, ... — आर्टि - 15, पेगासस, ...

कैसे है — मीडिया का महत्व

- सामाजिक — महिला, आदिवासी, दलित, बाल अधिकार, उत्पीड़न, नीतियां
- आर्थिक — कोल...
- सांस्कृतिक — विरासत, प्रभाव
- पर्यावरण — ..., हिमालय, पश्चिमी घाट

UPSC छात्रों की मौत दिल्ली

मीडिया मार्केट

धूमिल का क्या खेल?

उत्प्रेरक कैसे

- साम्प्रदायिकता — हिंदू-मुस्लिम दंगे, ... के सरकारी मीडिया
- जातिवाद → ...
- धार्मिक विभाजक
- TRP — सनसनी खेल → मुम्बई हमला, सुशांत सिंह राजपूत केस मीडिया ट्रायल
- एक तरफा न्यूज
- फेक न्यूज — डिजिटल

कहावत: सत्ता के पक्ष में, विपक्ष को इग्नोर करना

समाधान — विश्व प्रेस स्वतंत्रता — सूचकांक

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation